

29-5-16

पत्रावली राज राजव लोक अदालत अदल सेव
 केड गुणक फुलेन पर प्रकृत इमी
 वादी के वकील उपर) प्रसिवादी २ । व १
 उपार्थिन उपययके का शुभ गपरा
 प्रसिवादीगण का कथन है कि वादक
 प्रारजी के हमारा कोई सम्बन्ध है
 वादक प्रारजी का प्रकृतता भी
 वादी के नाम ही बना है वादी के
 हद से प्रारजी ने धर किती प्रभर से
 दखल नही कर रहे है वादी वकील
 ने सद्य कि हमारा वाद किती
 कर दिया जके) प्रसिवादीगण को वाद

Pranav

कानून

५

प्रपत्र -5
(आदेश 20 के नियम 6 और 7)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी उनियारा जिला टोंक
राजस्व लोक अदालत अटल सेवा केन्द्र ग्राम पंचायत फुलेता

उनवान
प्रभू पुत्र भूरा जाति रेगर निवासी ग्राम फुलेता तहसील उनियारा जिला टोंक

- वादी

बनाम

1. रामफूल पुत्र भूरा जाति रेगर निवासी ग्राम फुलेता तहसील उनियारा जिला टोंक
2. कमलेश पुत्र रामफूल जाति रेगर निवासी ग्राम फुलेता तहसील उनियारा जिला टोंक
3. मांगी पत्नी रामफूल जाति रेगर निवासी ग्राम फुलेता तहसील उनियारा जिला टोंक
4. काली पत्नी भूरा जाति रेगर निवासी ग्राम फुलेता तहसील उनियारा जिला टोंक


- प्रतिवादीगण

दावा बाबत स्थायी निषेधाज्ञा

मुकदमा नम्बर - 98 वर्ष 2012

वादी की ओर से श्री एम0 एल0 खान वकील प्रतिवादी की ओर से रामफूल लकी उपस्थिति में इस वाद में आज तारीख 29.5.2015 को श्री सुभाषचन्द शर्मा, आर0ए0एस0 उपखण्ड अधिकारी उनियारा के समक्ष अन्तिम निपटारे के लिये पेश होने पर आदेश किया जाता है 'और डिक्री दी जाती है कि प्रतिवादीगण को हमेशा हमेशा के लिये जरिये स्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वे वादी के खातेदारी व कब्जे काश्त की आराजी ख0न0 1897/2735 रकबा 0.50 है0 वाके ग्राम फुलेता तहसील उनियारा में किसी प्रकार की दखलंदाजी नहीं करे। फरिकेन खर्च अपना-अपना वहन करे।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 29 माह 5 सन् 2015 को जारी की गई।


उपखण्ड अधिकारी
उनियारा जिला टोंक

बारी जिसे विधि जानने के सर्वोपरि कार्य
रही है अतः वह वारी जिसे विधि
जाकर पुष्पवारीगण को हमेशा र के
लिए जरूरी स्थायी निषेधाज्ञा के पत्र
विधि जाता है कि वे वारी के खासदारों
के सौजन्य का रक्षित की शरणाधीन रहें
1897/2735 रकबा 0-50 का वारी
गुप्त कुलेन वहीन उन्निपरा के विधि
पुकार से खलनामी नही होनी पत्र
जिसे जारी हो पत्रावली के अन्तर्गत
होकर तम्बल के रूप में लका दफ्त
दालिल हो
र